an>

Title: Demand for reservation to Dhangar Community in Maharashtra.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य): अध्यक्ष महोदया, शून्य काल में मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका देने के लिए शुक्रिया। 70 वर्षों से धनगर समाज के आरक्षण का प्रश्न महाराष्ट्र में लंबित रखा गया है। …(व्यवधान) भारतीय संविधान के अनुसार अनुसूचित जनजाति की सूची में 36 नंबर पर ओराओं, धनगड़ का उल्लेख है। हिंदी भाषा उच्चारण शास्त्र के अनुसार धनगर और धनगड़ एक ही शब्द है। महाराष्ट्र में धनगड़ नाम की कोई भी जनजाति नहीं है। महाराष्ट्र शासन के राजपत्रों और भारत सरकार के कई पत्रों में धनगर शब्द का स्पष्ट उल्लेख है। फिर भी धनगर समाज को आरक्षण से वंचित किया गया है। …(व्यवधान) महाराष्ट्र में धनगर समाज की संख्या लगभग 1.30 लाख है। इनकी अशिक्षा और अज्ञान के कारण, आज तक इनका कोई भी प्रतिनिधि संसद या फिर मंत्रिपरिषद् में नहीं पहुंच पाया है। महाराष्ट्र में प्रशासकीय स्तर पर एक भी जिला अधिकारी और जिला पुलिस प्रमुख इस समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और

श्रीमती सुप्रिया सुले को श्री राहुल शेवाले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।